This question paper contains 3 printed pages. *Your Roll No. .....*

Sl. No. of Ques. Paper : **5647** **E**

Unique Paper Code : **213452**

Name of Paper : **A Sanskrit Drama and History of Sanskrit Literature**

Name of Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit Discipline (*i*)**

Semester : **IV**

Duration : 3 hours *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— *Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Answer all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. **(a)** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : 2 x 4 = 8
Translate any **two** of the following :

(i) अमी वेदिं परितः क्लृप्तधिष्ण्याः
समिद्धन्तः प्रान्तसंस्तीर्णदर्भाः।
अपध्वन्तो दुरितं हव्यगन्धै–
वैतानास्त्वां वह्नयः पावयन्तु।।

(ii) उत्पक्ष्मणोर्नयनयोरुपरुद्धवृत्तिं
वाष्पं कुरु स्थिरतया विरतानुबन्धम्।
अस्मिन्नलक्षितनतोन्नतभूमिभागे
मार्गे पदानि खलु ते विषमीभवन्ति।।

(iii) अस्मान्साधु विचिन्त्य संयमधनानुच्चैः कुलं चात्मन –
स्त्वय्यस्याः कथमप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम्।

सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियं दारेषु दृश्या त्वया
भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद्वाच्यं वधूबन्धुभिः।।

(b) निम्नलिखित में से किसी **एक** की सन्दर्भसहित व्याख्या करें : 7
Explain with reference to the context any **one** of the following :

(i) एषापि प्रियेण विना गमयति रजनीं विषाददीर्घतराम्।
गुर्वपि विरहदुःखमाशाबन्धः साहयति।।

(ii) भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी
दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य।
भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं
शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन्।।

2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थांक के आधार पर प्रकृतिचित्रण पर प्रकाश डालिए। 8
Throw some light on the description of Nature found in IVth act of Abhiñānaśākuntalam.

अथवा (or)

'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में वर्णित दुर्वासा शाप के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
Bring out the importance of the curse of Durvāsā Muni in Abhiñānaśākuntalam.

3. (a) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : $2 \times 4 = 8$
Translate any **two** of the following :

(i) राज्यं नाम नृपात्मजैः सह्रदयैर्जित्वा रिपून् भुज्यते,
तल्लोके न तु याच्यते न तु पुनर्दीनाय वा दीयते।
कांक्षा चेन्नृपतित्वमाप्तुमचिरात् कुर्वन्तु ते साहसं
स्वैरं वा प्रविशन्तु शान्तमतिभिर्जुष्टं शमायाश्रमम् ।।

(ii) प्रहरति यदि युद्धे मारुतो भीमकर्मा
प्रहरति यदि साक्षात् पार्थरूपेण शक्रः।
परुषवचनदक्ष! त्वद्वचोभिर्न दास्ये
तृणमपि पितृभुक्ते वीर्यगुप्ते स्वराज्ये।।

(iii) यदि लवणजलं वा कन्दरं वा गिरीणां
ग्रहगणचरितं वा वायुमार्गं प्रयासि।
मम भुजबलयोगप्राप्तसंजातवेगं
भवतु चपल! चक्रं कालचक्रं तवाद्य।।

(b) निम्नलिखित में से किसी **एक** की सन्दर्भसहित व्याख्या करें : 7

Explain with reference to the context any **one** of the following :

(i) सुयोधनोऽयं स्वजनावमानं पराक्रमं पश्यति बालिशत्वात्।
को नाम लोके स्वयमात्मदोषमुद्घाटयेन्नष्टघृणः सभासु।।

(ii) कर्त्तव्यो भ्रातृषु स्नेहो विस्मर्तव्या गुणेतराः।
सम्बन्धो बन्धुभिः श्रेयाँल्लोकयोरुभयोरपि।।

4. 'दूतवाक्यम्' नाटक के नामकरण की समीक्षा कीजिए। 8

Justify the title of the Drama Dutavākyam.

अथवा (or)

'दूतवाक्य' एक व्यायोग है – सिद्ध कीजिए।

Prove that Dutavākyam is a vyāyoga.

5. (a) प्रश्न संख्या 1 (a) तथा 3 (a) में रेखांकित पदों में से किन्हीं **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए । 5

Write grammatical notes in any **five** of the underlined words in Q.No. 1(a) and 3(a).

(b) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2 x 6 = 12

Write short notes on any **two** of the following :

(i) सूत्रधार
(ii) प्रस्तावना
(iii) कञ्चुकी
(iv) आत्मगतम्
(v) नैपथ्य

6. संस्कृत नाटकों की उत्पत्ति के सिद्धांतों की विवेचना कीजिए । 12

Discuss the theories regarding the origin of Sanskrit Drama.

अथवा (Or)

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

Write short notes on any **three** of the following :

ऐतिहासिक महाकाव्य, अनर्घराघव, जयदेव, शूद्रक, भट्टनारायण।